दैनिक भास्कर

भोपाल 17-03-2026

का तलाश शुरू कर दा ह।

नेपानगर: ट्रायल रन सफल होने से जगी नई उम्मीद

बंद पड़ी नेपा मिल में 1 साल बाद शुरू हुआ अखबारी कागज का उत्पादन

भास्कर न्यूज | नेपानगर (बुरहानपुर)

एशिया की पहली अखबारी कागज मिल नेपा लिमिटेड के लिए सोमवार का दिन ऐतिहासिक रहा। लंबे समय से कच्चे माल के अभाव में बंद पड़ी मशीनों की आवाज एक बार फिर परिसर में गूंजी। केंद्रीय भारी उद्योग मंत्रालय की आर्थिक सलाहकार डॉ. रेणुका मिश्रा और स्वतंत्र निदेशक सीए मिलिंद कनाडे ने पुनर्जीवित उत्पादन प्रक्रिया का निरीक्षण किया। बॉयलर लाइट अप के साथ ट्रायल ऑपरेशन का सफल परीक्षण किया गया। चिमनी से उठता धुआं और पेपर मशीन की गड़गड़ाहट इस आदिवासी अंचल के लिए नई उम्मीद लेकर आई है।

प्रबंध निदेशक नरेश सिंह के नेतृत्व में मिल को दोबारा खड़ा करने के प्रयास सफल होते दिख रहे हैं। हालांकि मिल श्रमिक संघ के अध्यक्ष प्रवीण चंद्र सोनी ने लंबित वेतन भुगतान और नया वेतनमान लागू करने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा है। सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल भी कार्यशील पूंजी पैकेज के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं। वर्ष 1995 में देश को पहला गुलाबी अखबारी कागज देने वाली इस मिल के नियमित संचालन से स्थानीय अर्थव्यवस्था और रोजगार को नई गति मिलने की पूरी संभावना है।

गौरवशाली इतिहास, वेतन का संकट

75 वर्षों के सफर में नेपा लिमिटेड ने देश को अखबारी कागज में आत्मनिर्भर बनाया है। अगस्त 2022 में नवीनीकरण के बाद अब सतत संचालन की चुनौती है। वर्तमान में मिल कच्चे माल और वर्किंग कैपिटल की कमी से जूझ रही है। वहीं एक साल से वेतन न मिलने के कारण कर्मचारी भी आर्थिक संकट का सामना कर रहे हैं।

दैनिक भास्कर बुरहानपुर 17-03-2026

बुरहानपुर भास्कर

नेपानगर • शाहपुर • धूलकोट • निबोला • डेढ़तलाई • खकनार

खंडवा | मंगलवार, 17 मार्च, 2026 कौ कृष्ण पक्ष-13-14, 2082

नेपानगर में एक साल बाद नेपा मिल में अखबारी कागज का उत्पादन शुरू

केंद्रीय भारी उद्योग मंत्रालय की आर्थिक सलाहकार और स्वतंत्र निदेशक की मौजूदगी में ट्रॉयल ऑपरेशन के तहत बॉयलर लाइट अप हुआ

भास्कर संवाददाता | नेपानगर

एशिया की पहली अखबारी कागज मिल नेपा लिमिटेड में लंबे समय बाद मशीनों की आवाज गूंजी। यहां लंबे समय से रॉ मटेरियल के अभाव में कागज उत्पादन प्रक्रिया बंद थी। लेकिन अब एक बार फिर से उम्मीद है कि मिल संचालन आगे चलकर सतत रूप से हो सकेगा। केंद्रीय भारी उद्योग मंत्रालय की आर्थिक सलाहकार डॉ. रेणुका मिश्रा और स्वतंत्र निदेशक सीए मिलिंद कनाडे ने उत्पादन प्रक्रिया का निरीक्षण किया।

एशिया महाद्वीप की सबसे बड़ी और पुरानी शासकीय कागज मिलों में शुमार और केंद्रीय भारी उद्योग मंत्रालय के उपक्रम नेपा लिमिटेड में ट्रायल ऑपरेशन के तहत बॉयलर लाइट अप के साथ मिल संचालन की प्रक्रिया का फिर से सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया। चिमनी से उठता धुआं और पेपर मशीन से उत्पादन शुरू होना आदिवासी अंचल की इस ऐतिहासिक कागज मिल के पुनर्जीवन का संकेत माना जा रहा है। दशकों तक करोड़ों रुपए की विदेशी मुद्रा की बचत करते हुए अखबारी कागज के क्षेत्र में देश को आत्मनिर्भर बनाने में इस मिल ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। लंबे अंतराल के बाद मशीनों की ध्वनि गूंजने से मिल परिसर में कार्यरत कर्मचारियों और अधिकारियों में उत्साह का वातावरण देखा गया। वहीं नेपा मिल श्रमिक संघ अध्यक्ष प्रवीण चंद्र सोनी ने बताया सोमवार को हमारी ओर से आर्थिक सलाहकार डॉ. रेणुका मिश्रा, स्वतंत्र निदेशक सीए मिलिंद कनाडे को ज्ञापन दिया है। उन्होंने कहा सीमित कर्मचारियों के बाद भी मिल के कर्मचारियों ने इसका सफल ट्रॉयल किया। अब केंद्र सरकार कार्यशील पूंजी उपलब्ध कराए, ताकि उत्पादन बेहतर तरीके से शुरू हो सके। इससे पहले सीएम डॉ. मोहन यादव को भी ज्ञापन सौंपा गया था। हमारी मांग है कि कर्मचारियों के लंबित वेतन का भुगतान हो। साथ ही 2007, 2017 का वेतनमान लागू किया जाए। सेवित कर्मचारियों का अनुबंध तीन साल किया जाए।

मिल में कागज उत्पादन शुरू हुआ। आर्थिक सलाहकार ने निरीक्षण किया

2022 में हुआ था नवीनीकृत संयंत्रों का शुभारंभ

23 अगस्त 2022 को तत्कालीन केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री डॉ. महेंद्रनाथ पांडेय द्वारा नवीनीकृत संयंत्रों का शुभारंभ किया गया था। लगभग 75 वर्ष के गौरवशाली इतिहास वाली यह मिल एशिया की पहली अखबारी कागज मिल मानी जाती है और वर्ष 1995 में गुलाबी समाचार पत्र कागज प्रस्तुत करने का श्रेय भी इसी मिल को प्राप्त है। यहां न्यूजप्रिंट व राइटिंग प्रिंटिंग पेपर का उत्पादन किया जाता है। जिसमें अपशिष्ट कागज से तैयार लुगदी, पुराने ऑफिस पेपर व अन्य रिसाइकल्ड सामग्री का उपयोग किया जाता है।

सांसद ने लगातार किए प्रयास

मिल को पुनः पूर्ण रूप से चालू कराने के लिए क्षेत्र के सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल द्वारा केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री एच डी कुमारस्वामी से निरंतर संवाद और पत्राचार किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी पत्र के माध्यम से मिल के लिए कार्यशील पूंजी पैकेज स्वीकृत कर नवजीवन देने का अनुरोध किया गया। सांसद के साथ नेपा लिमिटेड ऑफिसर्स स्टाफ एसोसिएशन के अध्यक्ष महेंद्र केसरी, सचिव संजय पवार, नेपा मिल श्रमिक संघ अध्यक्ष प्रवीणचंद्र सोनी कई बार मंत्रालय पहुंचकर मिल संचालन के लिए सहयोग की मांग कर चुके हैं। केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री एच डी कुमारस्वामी व केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री रामदास आठवले ने सहायता का आश्वासन दिया है।

आर्थिक सलाहकार ने किया विजिट

सोमवार को केंद्रीय भारी उद्योग मंत्रालय की आर्थिक सलाहकार डॉ. मिश्रा व स्वतंत्र निदेशक सीए कनाडे ने नेपा लिमिटेड में उत्पादन प्रक्रिया व मिल में नवीनीकृत संयंत्रों के संचालन का निरीक्षण किया। इस दौरान अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक नरेश सिंह सहित कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी मौजूद थे।

स्थानीय विकास को मिलेगी गति

नेपा लिमिटेड क्षेत्र का एकमात्र केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम होने के कारण इसके पुनः संचालन से आदिवासी अंचल की अर्थव्यवस्था, रोजगार और स्थानीय विकास को नई गति मिलने की उम्मीद है व उत्पादन नियमित होने से कर्मचारियों और स्थानीय नागरिकों में विश्वास पैदा हुआ है। - संदीप ठाकरे, जनसंपर्क अधिकारी नेपा लिमिटेड

दशकों की विरासत के साथ फिर धड़की नेपा मिल

बुरहानपुर। संचालन का जायजा लेते अधिकारी।

● नेपानगर / राज न्यूज नेटवर्क

एशिया महाद्वीप की सबसे पुरानी और ऐतिहासिक शासकीय कागज मिल, नेपा लिमिटेड ने एक बार फिर उत्पादन की दिशा में कदम बढ़ा दिए हैं। केंद्रीय भारी उद्योग मंत्रालय के इस महत्वपूर्ण उपक्रम में महीनों के सन्नाटे के बाद ट्रायल ऑपरेशन के तहत बॉयलर लाइट.अप का सफल परीक्षण किया गया। मिल की चिमनी से उठता धुआं और मशीनों की घरघराहट केवल उत्पादन का संकेत नहीं, बल्कि इस आदिवासी अंचल की आर्थिक रीढ़ के पुनर्जीवित होने का प्रतीक है।

लगभग 75 वर्ष पुरानी यह मिल भारत के औद्योगिक इतिहास का एक स्वर्णिम अध्याय है। वर्ष 1995 में देश का पहला गुलाबी समाचार पत्र पेश करने का श्रेय भी इसी मिल को जाता है। दशकों तक इस मिल ने विदेशी मुद्रा की बचत करते हुए देश को अखबारी कागज के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वर्तमान में यहाँ न्यूजप्रिंट के साथ-साथ राइटिंग.प्रिंटिंग पेपर का उत्पादन किया जा रहा है, जिसमें वेस्ट पेपर, पुराने ऑफिस रिकॉर्ड्स और रिसाइकल्ड सामग्री का उपयोग कर लुगदी तैयार की जाती है।

मशीनों की गूंज से आदिवासी अंचल में उत्साह की लहर

उच्च स्तरीय निरीक्षण और तकनीकी परीक्षण-सोमवार को मिल के नवीनीकृत संयंत्रों के संचालन का जायजा लेने के लिए केंद्रीय भारी उद्योग मंत्रालय की आर्थिक सलाहकार डॉ. रेणुका मिश्रा और स्वतंत्र निदेशक सीए मिलिंद कनाडे नेपा लिमिटेड पहुंचे। अधिकारियों ने उत्पादन प्रक्रिया का सूक्ष्म निरीक्षण किया और बॉयलर लाइट.अप की सफलता पर संतोष व्यक्त किया। इस अवसर पर सीएमडी नरेश सिंह सहित वरिष्ठ प्रबंधन और कर्मचारी उपस्थित रहे। लंबे अंतराल के बाद मिल में काम शुरू होने से कर्मचारियों के चेहरों पर खुशी और उत्साह साफदेखा गया।

आत्मनिर्भरता की मिसाल और गौरवशाली इतिहास

राजनैतिक प्रयास और श्रकिंग कैपिटल की उम्मीद-मिल को पूर्ण क्षमता के साथ चलाने के लिए स्थानीय सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल लगातार सक्रिय हैं। उन्होंने केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री एच डी कुमारस्वामी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर मिल के लिए विशेष कार्यशील पूंजी पैकेज की मांग की है।

सांसद के प्रयासों के साथ-साथ नेपा लिमिटेड ऑफिसर्स स्टाफ, सोसिएशन के अध्यक्ष महेंद्र केसरी और सचिव संजय पवार ने भी दिल्ली में केंद्रीय मंत्रियों से मुलाकात कर मिल की वित्तीय स्थिति को सुधारने का अनुरोध किया है। रिपोर्ट के अनुसार केंद्रीय मंत्री एच डी कुमारस्वामी और रामदास आठवले ने मिल के संचालन हेतु हर संभव सहायता का आश्वासन दिया है।

जन संपर्क अधिकारी संदीप ठाकरे के अनुसार नेपा लिमिटेड इस क्षेत्र का एकमात्र केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम है। 23 अगस्त 2022 को नवीनीकृत संयंत्रों के शुभारंभ के बाद, अब नियमित उत्पादन शुरू होने से न केवल स्थानीय अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी, बल्कि प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।

मुख्य आकर्षण

- एशिया की पहली अखबारी कागज मिल का गौरव।
- पर्यावरण अनुकूल उत्पादनरू रिसाइकल्ड कागज का उपयोग।
- क्षेत्रीय प्रभाव बुरहानपुर और नेपानगर के हजारों परिवारों की आजीविका का मुख्य आधार।
- चिमनी से निकलते धुएं ने स्थानीय नागरिकों में यह विश्वास जगा दिया है कि नेपा मिल अपनी खोई हुई पहचान वापस पाने के लिए तैयार है। यदि केंद्र सरकार से अपेक्षित वित्तीय पैकेज प्राप्त होता है, तो यह मिल पुनः वैश्विक मानचित्र पर अपनी चमक बिखेरने लगेगी।

GREAT NEWS | Trial run begins at Asia's first newsprint plant

Machines roar back to life at Nepa mill after long shutdown

FP News Service

NEPANAGAR

After a prolonged shutdown, machines at Nepa Limited, Asia's first newsprint paper mill, resumed operations on a trial basis in Nepanagar on Monday.

The trial run included a successful boiler light-up and testing of the production process. The sound of running machines and smoke rising from the chimney signalled renewed activity at the mill, which had remained closed for a long period due to a shortage of raw material.

The plant was inspected by Dr Renuka Mishra, Economic Adviser to the Ministry of Heavy Industries and Milind Kanade, Independent Director of the company. Chairman and Managing Director Naresh Singh and other senior officials were present during the visit.

Established about 75 years ago, the mill played a key role in making India self-reliant in newsprint production and saving foreign exchange. The plant also gained recognition for introducing pink newsprint in 1995.

Local MP Gyaneshwar Patil has been pursuing the issue with Union ministers, including HD Kumaraswamy, to secure financial support and restore full-scale operations.

Officials said the revival of the central public sector unit could boost employment and economic activity in the tribal-dominated region.

ll ... Singh takes

नेपा मिल की चिमनी से फिर उठा धुआं, संयंत्रों का ट्रायल सफल

महीनों बाद गूंजी मशीनों की आवाज, कर्मचारियों में खुशी की लहर

पत्रकार
मो.हुसैन खोकर
7000968163

बुरहानपुर :- एशिया महाद्वीप की सबसे बड़ी और पुरानी शासकीय कागज मिलों में शुमार, केंद्रीय भारी उद्योग मंत्रालय के उपक्रम नेपा लिमिटेड में ट्रायल ऑपरेशन के तहत बॉयलर लाइट-अप के साथ मिल संचालन की प्रक्रिया का पुनः सफलता पूर्वक परीक्षण किया गया।

चिमनी से उठता धुआं और पेपर मशीन से उत्पादन शुरू होना आदिवासी अंचल की इस ऐतिहासिक कागज मिल के पुनर्जीवन का संकेत माना जा रहा है। दशकों तक करोड़ों रुपये की विदेशी मुद्रा की बचत करते हुए अखबारी कागज के क्षेत्र में देश को आत्मनिर्भर बनाने में इस मिल ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। लंबे अंतराल के बाद मशीनों की ध्वनि गूंजने से मिल परिसर में कार्यरत कर्मचारियों और अधिकारियों में हर्ष और उत्साह का वातावरण देखा गया।

सोमवार को केंद्रीय भारी उद्योग मंत्रालय की आर्थिक सलाहकार डॉ. रेणुका मिश्रा तथा स्वतंत्र निदेशक सीए मिलिंद कनाडे ने नेपा लिमिटेड का दौरा कर उत्पादन प्रक्रिया एवं मिल में नवीनीकृत संयंत्रों के संचालन का निरीक्षण किया। इस दौरान अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक नरेश सिंह सहित कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

सांसद के प्रयासों से कार्यशील पूंजी के लिए मंत्रालय से निरंतर संवाद

मिल को पुनः पूर्ण रूप से चालू कराने के लिए क्षेत्र के सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल द्वारा केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री एच डी कुमारस्वामी से निरंतर संवाद और पत्राचार किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी पत्र के माध्यम से मिल के लिए कार्यशील पूंजी पैकेज स्वीकृत कर नवजीवन देने का अनुरोध किया गया है। सांसद के साथ नेपा लिमिटेड ऑफिसर्स स्टाफ एसोसिएशन के अध्यक्ष महेंद्र केसरी, सचिव संजय पवार तथा अन्य पदाधिकारी भी कई बार मंत्रालय पहुंचकर मिल संचालन के लिए सहयोग की मांग कर चुके हैं। इस विषय में केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री एच डी कुमारस्वामी तथा केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री रामदास आठवले द्वारा हर संभव सहायता का आश्वासन दिया गया है।

2022 में हुआ था नवीनीकृत संयंत्रों का शुभारंभ, 75 वर्ष पुरानी ऐतिहासिक मिल

23 अगस्त 2022 को तत्कालीन केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री डॉ. महेंद्रनाथ पांडेय द्वारा नवीनीकृत संयंत्रों का शुभारंभ किया गया था। लगभग 75 वर्ष के गौरवशाली इतिहास वाली यह मिल एशिया की पहली अखबारी कागज मिल मानी जाती है और वर्ष 1995 में गुलाबी समाचार पत्र कागज प्रस्तुत करने का श्रेय भी इसी मिल को प्राप्त है। यहां न्यूजप्रिंट तथा राइटिंग-प्रिंटिंग पेपर का उत्पादन किया जाता है, जिसमें अपशिष्ट कागज से तैयार लुगदी, पुराने ऑफिस पेपर तथा अन्य रिसाइकल्ड सामग्री का उपयोग किया जाता है। जन संपर्क अधिकारी संदीप ठाकरे ने बताया कि नेपा लिमिटेड क्षेत्र का एकमात्र केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम होने के कारण इसके पुनः संचालन से आदिवासी अंचल की अर्थव्यवस्था, रोजगार और स्थानीय विकास को नई गति मिलने की उम्मीद है तथा उत्पादन नियमित होने से कर्मचारियों और स्थानीय नागरिकों में नया विश्वास पैदा हुआ है।

उद्योग को रफ्तार, 250 करोड़ पूंजी मिलने की उम्मीदें, जांच के लिए दिल्ली से आई टीम

डेढ़ साल बाद फिर चली नेपा मिल, 8 घंटे तक लगातार किया उत्पादन

लगातार

पत्रिका न्यूज नेटवर्क

patrika.com

अफसरों को मिल की जानकारी देते सीएमडी।

अखबारी कागज उत्पादन कारखाने के ट्रायल ऑपरेशन में बॉयलर जलाते सीएमडी।

बुरहानपुर/नेपानगर. डेढ़ साल बाद फिर नेपा मिल के पहिये चल पड़े और मशीनों की आवाज गूंजी। लगातार आठ घंटे बिना रुके चली मशीनों ने अखबारी कागज का उत्पादन कर अपनी क्षमता बता दी। सोमवार को दिल्ली से आए अफसरों ने इसका निरीक्षण कर इसे बेहतर बताया। मिल के लिए जरूरी 250 करोड़ के वर्किंग कैपिटल के मिलने की उम्मीद भी बढ़ गई हैं। दरअसल सोमवार को केंद्रीय भारी उद्योग मंत्रालय की आर्थिक सलाहकार डॉ. रेणुका मिश्रा व स्वतंत्र निदेशक सीए मिलिंद कनाडे ने नेपा लिमिटेड का दौरा कर मिल का निरीक्षण किया। मिल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक नरेश सिंह ने कागज कारखाने में लगी मशीनों की क्षमता को उन्हें चालू करके बताया। लगातार एक शिफ्ट यानी पूरे 8 घंटे मशीनों का संचालन हुआ। टीम ने पांच घंटे मिल का निरीक्षण कर रिपोर्ट तैयार की, जिसे दिल्ली में मंत्रालय को सौंपेंगे।

नए सीएमडी के ज्वाइन के 21वें दिन ट्रायल

14 फरवरी 2026 को नए सीएमडी के रूप में भेल भोपाल के एजीएम नरेशसिंह का चयन किया गया। उन्होंने 24 फरवरी को नेपानगर पहुंचकर चार्ज लिया। इसके महज 21 दिनों में उन्होंने मशीनों का सफल ट्रायल लिया है। जनसंपर्क अधिकारी संदीप ठाकरे ने बताया कि सीएमडी सिंह ने नेपा ज्वाइन करने के तुरंत बाद ही मशीनों को दोबारा चालू करने एवं सतत प्रोडक्शन शुरू करने का निर्णय लिया था। इसके बाद उन्होंने कंपनी के सभी कर्मचारियों एवं अधिकारियों की बैठक लेकर समस्याएं सुनी और उन्हें दोबारा पूरे जोश के साथ कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया।

सभी अधिकारी, कर्मचारियों एवं नेपा के रहवासियों के सामूहिक सहयोग से मशीनों का सफल ट्रायल लिया गया हैं। आने वाले समय में मशीनों को सतत चलाए जाने की तैयारी की जा रही हैं।

-नरेंशसिंह सीएमडी नेपा लिमिटेड

रिनोवेशन के बाद एक साल चली मशीन

नेपा लिमिटेड का रिनोवेशन कार्य वर्ष 2015-16 में शुरू हुआ था। करीब 6 सालों तक चले कार्य के बाद 23 अगस्त 2022 में तत्कालीन सीएमडी सौरभ देव के कार्यकाल में तत्कालीन केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री महेंद्रनाथ पांडेय ने नेपानगर आकर कंपनी को शुरू किया था। इसके बाद एक वर्ष से अधिक समय तक मशीन चली। बड़ी मात्रा में अखबारी कागज एवं राइटिंग प्रिंटिंग कागज का निर्माण एवं विक्रय हुआ। फिर 2023 के अंत में मशीनों का पहिया रुक गया। कुछ दिनों बाद नए सीएमडी के रूप में राकेशकुमार चौखानी ने पदभार लिया। उन्होंने भी कुछ दिनों के अंतराल में मशीने चलाई। लेकिन वर्ष 2025 के पूर्व से ही मशीनें चलना बंद हो गई। इसके बाद से कंपनी में कागज नहीं बन पाया हैं।

1200 करोड़ खर्च कर 2022 में शुरू हुई मिल

मिल के लिए 1200 करोड़ का रिवाइवल पैकेज मिलने के बाद इसे 23 अगस्त 2022 को तत्कालीन केंद्रीय मंत्री डॉ. महेंद्रनाथ पांडेय ने शुभारंभ किया था। इसके बाद उत्पादन क्षमता दस गुना भी बढ़ गई। लेकिन आधुनिक मशीन स्किल्ड लेबर और फिर रॉ मटेरियल के अभाव में बंद पड़ गई। बाद में मुश्किल से छह माह मिल रुक-रुक कर चली। डेढ़ साल से मिल पूरी तरह बंद थी, जो अब वापस चलने को तैयार है।

अब मिल को वर्किंग कैपिटल का इंतजार

सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल ने बताया कि केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री एचडी कुमार स्वामी और पीएम मोदी को भी पत्र के माध्यम से मिल के लिए कार्यशील पूंजी (वर्किंग कैपिटल) स्वीकृत करने का अनुरोध किया है। नेपा लिमिटेड ऑफिसर्स स्टाफ एसोसिएशन अध्यक्ष महेंद्र केसरी, सचिव संजय पवार व अन्य पदाधिकारी भी कई बार मंत्रालय पहुंचकर मिल संचालन के लिए सहयोग की मांग कर चुके हैं। इस विषय में केंद्रीय मंत्री ने सहायता का आश्वासन दिया है।

दैनिक भास्कर

सागर 17-03-2026

नेपानगर: ट्रायल रन सफल होने से जगी नई उम्मीद

बंद पड़ी नेपा मिल में 1 साल बाद शुरू हुआ अखबारी कागज का उत्पादन

नेपानगर | एशिया की पहली अखबारी कागज मिल नेपा लिमिटेड के लिए सोमवार का दिन ऐतिहासिक रहा। लंबे समय से कच्चे माल के अभाव में बंद पड़ी मशीनों की आवाज एक बार फिर परिसर में गूंजी। केंद्रीय भारी उद्योग मंत्रालय की आर्थिक सलाहकार डॉ. रेणुका मिश्रा और स्वतंत्र निदेशक सीए मिलिंद कनाडे ने पुनर्जीवित उत्पादन प्रक्रिया का निरीक्षण किया। बॉयलर लाइट अप के साथ ट्रायल ऑपरेशन का सफल परीक्षण किया गया। चिमनी से उठता धुआं और पेपर मशीन की गड़गड़ाहट इस आदिवासी अंचल के लिए नई उम्मीद लेकर आई है।

अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक नरेश सिंह के नेतृत्व में कम कर्मचारियों के बावजूद मिल को दोबारा खड़ा करने के प्रयास सफल होते दिख रहे हैं। हालांकि मिल श्रमिक संघ के अध्यक्ष प्रवीण चंद्र सोनी ने इस दौरान ज्ञापन सौंपकर लंबित वेतन भुगतान और 2007 व 2017 का वेतनमान लागू करने की मांग की है। सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल ने भी प्रधानमंत्री और केंद्रीय मंत्री एच डी कुमारस्वामी से कार्यशील पूंजी पैकेज के लिए निरंतर पत्राचार किया है। वर्ष 1995 में देश को पहला गुलाबी समाचार पत्र कागज देने वाली इस मिल के शुरू होने से स्थानीय अर्थव्यवस्था और रोजगार को नई गति मिलने की पूरी संभावना है। वर्तमान में यहाँ अपशिष्ट और रिसाइक्लड कागजों से लुगदी तैयार कर न्यूजप्रिंट का उत्पादन किया जा रहा है।

गौरवशाली इतिहास : लगभग 75 वर्षों के गौरवशाली सफर वाली नेपा लिमिटेड ने दशकों तक विदेशी मुद्रा बचाकर देश को अखबारी कागज में आत्मनिर्भर बनाया है। अगस्त 2022 में नवीनीकृत संयंत्रों के शुभारंभ के बाद अब इसके सतत संचालन की तैयारी है। वर्तमान में मिल के पास कच्चे माल और वर्किंग कैपिटल की कमी सबसे बड़ी बाधा है। साथ ही एक साल से अधिक समय से वेतन न मिलने के कारण कर्मचारी आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। जनसंपर्क अधिकारी संदीप ठाकरे के अनुसार नेपा लिमिटेड इस क्षेत्र का एकमात्र केंद्रीय उपक्रम है। इसके नियमित संचालन से न केवल आदिवासी अंचल के विकास को रफ्तार मिलेगी, बल्कि स्थानीय व्यापारियों और नागरिकों का खोया हुआ विश्वास भी वापस लौटेगा।

स्वदेश

खंडवा - मुख्य संस्करण
17 Mar 2026 | Page - 11

नेपा मिल में फिर गूंजी मशीनों की आवाज

चिमनी से उठा धुआं तो लौट आई रोजगार की उम्मीद

स्वदेश समाचार ■ नेपानगर

नेपा लिमिटेड में लंबे समय बाद सोमवार को फिर से मशीनों की आवाज सुनाई दी। ट्रायल ऑपरेशन के तहत बॉयलर लाइट-अप के साथ उत्पादन प्रक्रिया का सफल परीक्षण किया गया। जैसे ही मिल की चिमनी से धुआं उठा और पेपर मशीन ने गति पकड़ी, पूरे परिसर में उत्साह का माहौल बन गया। वर्षों से ठहरी उम्मीदों के बीच यह दृश्य कर्मचारियों और स्थानीय नागरिकों के लिए नई राहत लेकर आया।

नेपानगर की यह ऐतिहासिक मिल एशिया की पहली अखबारी कागज मिल मानी जाती है। लगभग 75 वर्षों से देश के न्यूजप्रिंट उत्पादन में योगदान देने वाली इस मिल ने कभी करोड़ों रुपए की विदेशी मुद्रा बचाकर देश को आत्मनिर्भर बनाने में बड़ी भूमिका निभाई थी। लंबे समय से उत्पादन प्रभावित रहने के कारण क्षेत्र की अर्थव्यवस्था और रोजगार पर असर पड़ा था, ऐसे में मशीनों का दोबारा चलना पुनर्जीवन का मजबूत संकेत माना जा रहा है।

सोमवार को केंद्रीय भारी उद्योग मंत्रालय की आर्थिक सलाहकार रेणुका मिश्रा और स्वतंत्र निदेशक मिलिंद कनाडे ने मिल पहुंचकर नवीनीकृत संयंत्रों और उत्पादन प्रक्रिया का निरीक्षण किया। इस दौरान अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक नरेश सिंह सहित वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

मिल को पूरी क्षमता से चालू कराने के लिए क्षेत्रीय सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल लगातार केंद्रीय स्तर पर प्रयास कर रहे हैं। केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री एच डी कुमारस्वामी से लगातार संवाद और पत्राचार के जरिए कार्यशील पूंजी पैकेज की मांग की गई है। इस संबंध में नरेंद्र मोदी को भी पत्र भेजा गया है।

मिल का इतिहास भी खास है। वर्ष 1995 में गुलाबी समाचार पत्र कागज तैयार करने का श्रेय इसी मिल को मिला था। यहां न्यूजप्रिंट और राइटिंग-प्रिंटिंग पेपर का उत्पादन रिसाइकल्ड सामग्री से किया जाता है, जिससे पर्यावरणीय दृष्टि से भी यह महत्वपूर्ण इकाई मानी जाती है।

जनसंपर्क अधिकारी संदीप ठाकरे ने बताया कि मिल के नियमित संचालन से आदिवासी अंचल की अर्थव्यवस्था, रोजगार और स्थानीय विकास को नई गति मिलेगी। कर्मचारियों के बीच अब यह भरोसा मजबूत हुआ है कि बंद पड़ी मशीनें फिर स्थायी रूप से चल सकती हैं।

चौथा संसार 05
मंगलवार, 17 मार्च 2026

मिल संचालन की प्रक्रिया का सफल रहा पुनः परीक्षण, नगर में महीनों बाद गूंजी मशीनों की आवाज

आर्थिक सलाहकार डॉ. रेणुका मिश्रा और स्वतंत्र निदेशक सीए मिलिंद कनाडे पहुंचे नेपा मिल

बुरहानपुर, (निप्र)। बुरहानपुर जिले के नेपानगर में स्थापित नेपा मिलिटेड में सोमवार को केंद्रीय भारी उद्योग मंत्रालय की आर्थिक सलाहकार डॉ. रेणुका मिश्रा तथा स्वतंत्र निदेशक सीए मिलिंद कनाडे कि उपस्थिति में ट्रायल ऑपरेशन के तहत बॉयलर लाइट-अप के साथ मिल संचालन की प्रक्रिया का पुनः परीक्षण सफल रहा। उनके द्वारा नेपा लिमिटेड का दौरा कर उत्पादन प्रक्रिया एवं मिल में नवीनीकृत संयंत्रों के संचालन का निरीक्षण भी किया गया। इस दौरान अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक नरेश सिंह सहित कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

उल्लेखनीय हैं कि नेपा लिमिटेड एशिया महाद्वीप की सबसे बड़ी और पुरानी शासकीय कागज मिलों में शुमार हैं। यह केंद्रीय भारी उद्योग मंत्रालय का उपक्रम हैं। करीब एक साल तक उत्पादन प्रक्रिया के ना होने से बंद रही नेपा मिल में मशीनों के ट्रायल में किसी भी प्रकार से कोई परेशानी नहीं हुई। लम्बे समय बाद चिमनी से उठता धुआं और पेपर मशीन से उत्पादन शुरू होना आदिवासी अंचल की इस ऐतिहासिक कागज मिल के पुनर्जीवन का संकेत माना जा रहा है। दशकों तक करोड़ों रुपये की विदेशी मुद्रा की बचत करते हुए अखबारी कागज के क्षेत्र में देश को आत्मनिर्भर बनाने में इस मिल ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। लंबे अंतराल के बाद मशीनों की ध्वनि गूंजने से मिल परिसर में कार्यरत कर्मचारियों और अधिकारियों में हर्ष और उत्साह का वातावरण देखा गया।

सांसद के प्रयासों से कार्यशील पूंजी के लिए मंत्रालय से निरंतर संवाद-मिल को पुनः पूर्ण रूप से चालू कराने के लिए क्षेत्र के सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल द्वारा केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री एचडी कुमारस्वामी से निरंतर संवाद और पत्राचार किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी पत्र के माध्यम से मिल के लिए कार्यशील पूंजी पैकेज स्वीकृत कर नवजीवन देने का अनुरोध किया गया है। सांसद के साथ नेपा लिमिटेड ऑफिसर्स स्टाफ एसोसिएशन के अध्यक्ष महेंद्र केसरी, सचिव संजय पवार तथा अन्य पदाधिकारी भी कई बार मंत्रालय पहुंचकर मिल संचालन के लिए सहयोग की मांग कर चुके हैं। इस विषय में केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री एचडी कुमारस्वामी तथा केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री रामदास आठवले द्वारा हर संभव सहायता का आश्वासन दिया गया है।

2022 में हुआ था नवीनीकृत संयंत्रों से उत्पादन का शुभारंभ-23 अगस्त 2022 को तत्कालीन केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री डॉ. महेंद्रनाथ पांडेय द्वारा नवीनीकृत संयंत्रों का शुभारंभ किया गया था। लगभग 75 वर्ष के गौरवशाली इतिहास वाली यह मिल एशिया की पहली अखबारी कागज मिल मानी जाती है और वर्ष 1995 में गुलाबी समाचार पत्र कागज प्रस्तुत करने का श्रेय भी इसी मिल को प्राप्त है। यहां न्यूजप्रिंट तथा राइटिंग-प्रिंटिंग पेपर का उत्पादन किया जाता है, जिसमें अपशिष्ट कागज से तैयार लुगदी, पुराने ऑफिस पेपर तथा अन्य रिसाइकल्ड सामग्री का उपयोग किया जाता है। जन संपर्क अधिकारी संदीप ठाकरे ने बताया कि नेपा लिमिटेड क्षेत्र का एकमात्र केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम होने के कारण इसके पुनः संचालन से आदिवासी अंचल की अर्थव्यवस्था, रोजगार और स्थानीय विकास को नई गति मिलने की उम्मीद है तथा उत्पादन नियमित होने से कर्मचारियों और स्थानीय नागरिकों में नया विश्वास पैदा हुआ है।

फिर चल उठेगी मिल-उल्लेखनीय हैं कि नेपा मिल का अस्तित्व लगभग 75 वर्ष पुराना और ऐतिहासिक हैं। जो असाधारण हैं। करोड़ो रुपए के पैकेज से मशीनों का नवीनकरण हुआ। 2022 में मशीन नवीन संयन्त्र से उत्पादन करने लगी। कुछ समय तक रुक-रुक कर उत्पादन होता रहा। लेकिन कार्यशील पूंजी पैकेज का अभाव होने से मिल में उत्पादन रुक गया। इसके लिए समय समय पर क्षेत्र के सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल, नेपानगर विधायक मंजू दादू के नेतृत्व में यहां का अधिकारी स्टाफ और नेपा मिल श्रमिक संघ के पदाधिकारियों कि दिल्ली तक दौड़ लगती रही।

विदेशी पार्ट्स से बनी हैं नेपा मिल-पूर्व कर्मचारियों का कहना हैं कि नेपा मिल एशिया महाद्वीप कि सबसे बड़ी मिल हैं। उनके अनुसार मशीन के पार्ट्स फाइनलैंड और इनलैंड से बुलाकर लगाए गए हैं। वर्तमान में यह ओरिजनल पार्ट्स मिलना बहोत मुश्किल हैं। उन्होंने कहां हमने मिल को दिन रात एककर चलायमान रखा। लेकिन बदलते हालातो कि मार से मिल इस स्थिति में पहुंची। 2014 से नवीनीकरण शुरू हुआ जो करीब 7 साल बाद 2022 में पूरा होकर उत्पादन फिर से शुरू हुआ। उन्होंने उम्मीद जताई हैं कि अगर जल्द ही नेपा मिल को कार्यशील पूंजी स्वीकृत होती हैं तो वह अपने सुनहरे भविष्य को फिर से पा सकती हैं। उन्होंने उम्मीद लगाई हैं कि नवागत सीएमड़ी नरेश सिंह के प्रयासों से नेपा मिल का पहिया फिर से चलकर दौड़ने लगेगा।

फिर जागी उम्मीद, कागज उत्पादन के लिए नेपा मिल ने किया ट्रायल

नईदुनिया न्यूज, नेपानगर: कार्यशील पूंजी के अभाव में ठप पड़ा अखबारी कागज और न्यूजप्रिंट का उत्पादन फिर शुरू होने की उम्मीद जागी है। सोमवार को नेपा मिल प्रबंधन ने मशीनों को चलाकर ट्रायल किया। इस दौरान बायलर भी चलाया गया और मिल संचालक की अन्य प्रक्रिया भी पूरी की गई। हालांकि अब भी केंद्र सरकार से मिल को चलाने के लिए कार्यशील पूंजी नहीं मिली है। इसे लेकर मंत्रालय के अधिकारियों से केवल संवाद चल रहा है। बावजूद इसके नगर के लोग ट्रायल को मिल के पुनर्जीवन का संकेत मान रहे हैं।

इस मौके पर केंद्रीय भारी उद्योग मंत्रालय की आर्थिक सलाहकार डा. रेणुका मिश्रा और स्वतंत्र निदेशक सीए मिलिंद कनाडे भी मौजूद थे। उन्होंने नेपा लिमिटेड के सीएमडी नरेश सिंह सहित अन्य अधिकारियों के साथ उत्पादन प्रक्रिया एवं मिल के नवीनीकृत संयंत्रों के संचालन का निरीक्षण किया। दशकों तक करोड़ों रुपये की विदेशी मुद्रा बचाने के साथ ही अखबारी कागज के क्षेत्र में देश को आत्मनिर्भर बनाने में इस मिल ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। लंबे अंतराल के बाद मशीनों की आवाज गूंजने से मिल परिसर में कार्यरत कर्मचारियों और अधिकारियों में उत्साह का वातावरण देखा गया।

कार्यशील पूंजी के लिए चल रही बात : मिल को पूरी तरह चालू कराने के लिए सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल ने केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री एचडी कुमारस्वामी से संवाद व पत्राचार किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भी पत्र के माध्यम से आर्थिक पैकेज देने का आग्रह किया है। सांसद के साथ नेपा लिमिटेड आफिसर्स स्टाफ एसोसिएशन के अध्यक्ष महेंद्र केसरी, सचिव संजय पवार तथा अन्य पदाधिकारी भी कई बार मंत्रालय जाकर सहयोग की मांग कर चुके हैं। इस विषय में केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री एच डी कुमारस्वामी व केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री रामदास आठवले द्वारा हर संभव सहायता का आश्वासन दिया गया है। ज्ञात हो कि केंद्र सरकार ने इस मिल को 469 करोड़ का रिवाइवल पैकेज देकर इसका नवीनीकरण कराया है। सरकार तीन चरणों में करीब 770 करोड़ रुपये दे चुकी है, फिर भी अफसर मिल को नहीं चला पाए।

मशीन शुरू कर कागज उत्पादन का ट्रायल करते कर्मचारी। • नईदुनिया

- केंद्रीय भारी उद्योग मंत्रालय की आर्थिक सलाहकार भी पहुंचीं
- ट्रायल को मिल के पुनर्जीवन का संकेत मान रहे कर्मचारी

नई मशीनों का वर्ष 2022 में हुआ था शुभारंभ

नेपा मिल का नवीनीकरण होने के बाद 23 अगस्त 2022 को तत्कालीन केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री डा. महेंद्रनाथ पांडेय ने इसका शुभारंभ किया था। लगभग 75 वर्ष के गौरवशाली इतिहास वाली यह मिल एशिया की पहली अखबारी कागज मिल मानी जाती है। वर्ष 1995 में गुलाबी समाचार पत्र कागज प्रस्तुत करने का श्रेय भी इसे ही है। यहां न्यूजप्रिंट तथा राइटिंग-प्रिंटिंग पेपर का उत्पादन भी हो रहा है। इसमें अपशिष्ट कागज से तैयार लुगदी, पुराने आफिस पेपर तथा अन्य रिसाइकल्ड सामग्री का उपयोग होता है। जनसंपर्क अधिकारी संदीप ठाकरे ने बताया नेपा लिमिटेड क्षेत्र का एकमात्र केंद्रीय सार्वजनिक उपक्रम होने से पुनः संचालन से आदिवासी अंचल की अर्थव्यवस्था, रोजगार और स्थानीय विकास को गति मिलने की उम्मीद है।

नेपा मिल को कार्यशील पूंजी मिलते ही पूरी रफ्तार से दौड़ेगी

सफल ट्रायल से लौटी उम्मीदें...देशभर से बढ़ी पूछताछ, आपूर्तिकर्ता भी कर रहे संपर्क

नेपा मिल में अफसरों का दौरा।

लगातार

मिल प्रबंधन ने संसाधन, मशीनें और मैनपावर, गोदाम सहित अन्य व्यवस्थाएं भी की तैयार

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नेपानगर. नेपा मिल एक बार फिर उम्मीदों की नई कहानी लिखने की ओर बढ़ रही है। सफल ट्रायल के बाद भले ही मशीनों की आवाज थम गई हो, लेकिन इस ट्रायल ने देशभर में हलचल मचा दी है। कागज की मांग में अचानक बढ़ोतरी देखी जा रही है और कच्चे माल के आपूर्तिकर्ता भी संपर्क कर रहे हैं। मिल प्रबंधन ने भी मशीनों की स्थिति, मेंटेनेंस, मैनपॉवर, कच्चे माल के गोदाम, लोडिंग पॉइंट सहित अन्य व्यवस्थाएं दुरुस्त कर ली हैं। अब कार्यशील पूंजी मिलते ही न केवल उत्पादन शुरू होगा, बल्कि क्षेत्र की अर्थव्यवस्था और रोजगार के नए द्वार भी खुलेंगे।

लंबे समय से बंद पड़ी नेपा मिल के ट्रायल के बाद एकाएक बेहतर माहौल बन गया है। नए सीएमडी नरेश सिंह की पदस्थापना और दिल्ली से केंद्रीय भारी उद्योग मंत्रालय की आर्थिक सलाहकार डॉ. रेणुका मिश्रा एवं स्वतंत्र निदेशक सीए मिलिंद कनाडे की उपस्थिति में मशीनों का करीब 8 घंटों तक सफल ट्रायल हुआ। ऐसे में अब उम्मीद बंधी है कि नेपा मिल एक बार फिर अपनी क्षमता के साथ काम करना शुरू कर देगी। नेपा ऑफिसर्स स्टाफ एसोसिएशन के अध्यक्ष महेंद्र केसरी और सचिव संजय पवार एक प्रतिनिधि मंडल के रूप में सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल के साथ जल्द ही दिल्ली जाएंगे, जहां वे केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री एचडी कुमारस्वामी से मुलाकात करेंगे। इस दौरान अफसर-कर्मचारियों के वेतन तथा मिल में रॉ मटेरियल सहित अन्य मांगों को लेकर कार्यशील पूंजी की मांग की जाएगी। उम्मीद जताई जा रही है कि दिल्ली से अफसरों का दल आने के बाद मिल को जल्द पूंजी मिल सकेगी।

इस तरह मिल ने पकड़ी रफ्तार

नेपा लिमिटेड का रिनोवेशन कार्य वर्ष 2015-16 में शुरू हुआ था। करीब 6 वर्षों तक चले कार्य के बाद 23 अगस्त 2022 को तत्कालीन सीएमडी सौरभ देव के कार्यकाल में केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री महेंद्रनाथ पांडेय ने नेपानगर आकर कंपनी का शुभारंभ किया था। इसके बाद एक वर्ष से अधिक समय तक मशीनें सतत चलीं और बड़ी मात्रा में अखबारी कागज एवं राइटिंग-प्रिंटिंग कागज का निर्माण व विक्रय हुआ। इसके बाद 2023 के अंत में मशीनों का पहिया रुक गया। तत्कालीन सीएमडी राकेश कुमार चौखानी ने कुछ समय के लिए मशीनें चालू करवाईं, लेकिन वर्ष 2025 से पहले ही मशीनें पूरी तरह बंद हो गईं, जिसके बाद से उत्पादन ठप है।

नए सीएमडी के आते ही 21वें दिन ट्रायल

नेपा मिल के पुनः संचालन व ट्रायल के पीछे नए सीएमडी नरेश सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने 24 फरवरी को कार्यभार संभाला और महज 21 दिनों में सफल ट्रायल करा दिया। सिंह ने कर्मचारियों व अफसरों की समस्याएं सुनीं और मिल चालू करने की दिशा में काम शुरू किया।

पूरी क्षमता से चलेगी मिल- सांसद

सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल ने बताया कि नेपा मिल के पुनः संचालन के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री एवं केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री से मुलाकात कर मिल के लिए आवश्यक कार्यशील पूंजी उपलब्ध कराने का आग्रह किया गया है। उन्होंने विश्वास जताया कि केंद्र सरकार सकारात्मक निर्णय लेगी, जिससे मिल पूर्ण क्षमता के साथ संचालित हो सकेगी।

सीएम की घोषणा- सरकार खरीदेगी कागज

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेपानगर आगमन के दौरान उन्होंने प्रदेश के सभी शासकीय विभागों में नेपा मिल में उत्पादित कागज के उपयोग के लिए नीतिगत निर्णय लेने की बात कही है। मुख्यमंत्री की इस घोषणा से उम्मीद है कि मिल शुरू होने पर कागज की मांग बढ़ेगी और मिल का बेहतर संचालन हो सकेगा।

कागज की पूछपरख बढ़ी

मिल में सफल ट्रायल के बाद सकारात्मक माहौल बना है। अब कंपनियां कागज के लिए पूछताछ कर रही हैं और कच्चे माल के आपूर्तिकर्ता भी संपर्क में हैं। सभी में काम को लेकर उत्साह है। जल्द ही एक प्रतिनिधि मंडल दिल्ली जाकर कार्यशील पूंजी की मांग करेगा।

- संदीप ठाकरे, पीआरओ, नेपा लिमिटेड